



कार्यालय नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक :- एफ 7/डी०टी०पी०/३०/२०२२/ ८१

दिनांक :- ९ /०२/२०२२

निमित्त :

श्री दिलीप दत्त शर्मा

निवासी- ३-ई-९, दादाबाड़ी,
कोटा (राज०)

विषय :- संशोधित ले-आउट प्लान (आवासीय प्रयोजनार्थी) खसरा नं० ५०७ से ५०९ व ५११, ५१४, ५२२, ५२२/५६३, ५२३/१, ६०७/५२३, ग्राम नयाखेड़ा क्षेत्रफल ५०१०० वर्गमीटर के के सम्बन्ध में।

प्रसंग :- आवेदन दिनांक १/६/२०२०

राज्य सरकार कि अधिसूचना क्रमांक एफ ३(७७)न.वि.वि./३/२०१० दिनांक २८.०६.१० द्वारा जारी निजी क्षेत्र में आवासीय, ग्रुप हाउसिंग व अन्य योजनाओं हेतु नीति २०१० (१० हैक्टेयर से कम) के अन्वर्गत आपके आवेदन के क्रम में ले-आउट प्लान समिति की बैठक दिनांक २३/९/२०२१ में लिये गए निर्णयानुसार संशोधित ले-आउट प्लान स्वीकृति उपरांत योजना विकसित किये जाने हेतु निम्न शर्तों के साथ जारी किया जा रहा है -

- (1) अनुमोदित योजना प्लान में उल्लेखित समस्त शर्तों की पालना सुनिश्चित की जानी है।
- (2) नियमानुसार कृषि भूमि रूपान्तरण राशि न्यास कार्यालय में जमा करवानी होगी।
- (3) पॉलिसी में उल्लेखित शर्तों के अनुसार भूखण्डों की बुकिंग, पट्टा/लीज डीड आदि की कार्यवाही की जावेगी।
- (4) योजना में दर्शाये गए EWS/LIG के भूखण्डों का निष्पादन मुख्यमंत्री जन आवास योजना-२०१५ के प्रावधानानुसार करना होंगा।
- (5) योजना में विकास कार्य उक्त तिथि से ६ माह में प्रारम्भ व ३६ माह में पूर्ण करना होगा। विकास कार्य पॉलिसी में निर्धारित मापदण्डों के अनुलेप्त न्यास के संबंधित अधिशाषी अभियंता की देखरेख में कराना होगा, निर्धारित समयावधि में मानदण्डों के अनुसार योजना के सभी आवश्यक कार्य पूर्ण कर अधिवास प्रमाण-पत्र लिया जावेगा, तथा विकास कार्य पूर्ण होने के उपरांत ३ वर्ष तक रख-रखाव करना होगा। यदि योजना में विकास कार्य निर्धारित मापदण्डों के अनुसार नहीं पाये जाते हैं, तो अधिवास प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जावेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी विकासकर्ता की होगी।
- (6) भूखण्डों पर निर्माण न्यास से नियमानुसार स्वीकृति प्राप्त कर करवाना होगा।
- (7) स्वीकृत प्लान अनुसार ही विकास कार्य किये जावेंगे योजना में किसी प्रकार का संशोधन न्यास की पूर्व अनुमति के नहीं किया जा सकेगा।
- (8) ऐनवाहटर हार्वेस्टिंग के लिये व्यवस्था करना अनिवार्य होगी। विकसित की जाने वाली योजना में मास्टर प्लान/सेक्टर प्लान के अनुसार सड़कें, सीवर लाईन, नाले ओवरहेड, केबल्स आदि के लिये सम्बन्धित संस्था को 'राईट आफ वे' दिया जावेगा।
- (9) स्वीकृत ले-आउट प्लान की प्रति जानकारी हेतु योजना स्थल पर बोर्ड पर लगाई जावें, जिसमें न्यास में रहने रखे गये भूखण्डों को स्पष्ट रूप से दर्शाया जावें।
- (10) ले-आउट में सड़कों का लेवल इस प्रकार हो कि ड्रेनेज की व्यवस्था मुख्य सड़कों पर स्थित ड्रेन में सुचारू रूप से हो सके।
- (11) आंतरिक विकास कार्य के पेटे 12.5 % विक्रय योग्य भूखण्ड (भूखण्ड सं० O-023 से O-051 कुल भूखण्ड २९ क्षेत्रफल ३६५६ वर्गमीटर) आरक्षित किये जाते हैं, जिनकी बुकिंग न्यास द्वारा भूखण्ड रहनमुक्त करने के उपरांत ही की जा सकेगी। उक्त भूखण्ड नगर विकास न्यास में रहने हैं एवं उक्त भूखण्डों को किसी को भी बैचान नहीं करें। यदि

जा सकेगी। उक्त भूखण्ड नगर विकास न्यास में रहन है एवं उक्त भूखण्डों को किसी को भी बैचान नहीं करें। यदि बैचान किया जाना पाया जाता है तो स्वीकृति किसी भी समय निरस्त की जा सकेगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी विकासकर्ता की होगी। उपरोक्तानुसार 12.5 प्रतिशत आरक्षित भूखण्डों को रहन रखे जाने हेतु मॉर्गेज डीड संपादित करवायें।

- (12) आवेदक को योजना के आंतरिक विकास बाबत् टाउनशिप पॉलिसी-2010 के अनुसार तकमीने प्रस्तुत करने होंगे एवं तकमीनों का न्यास की अभियांत्रिकी शाखा से अनुमोदन उपरांत तदनुसार विकास कार्य करने होंगे।
- (13) समय-समय पर राज्य सरकार एवं न्यास द्वारा नियमों/शर्तों की पालना करनी होगी।
- (14) टाउनशिप पॉलिसी-2010 में उल्लेखित समस्त शर्तों की पालना करनी होगी।
- (15) उपरोक्तानुसार शर्तों की पालना नहीं होने पर स्वीकृति निरस्त मानी जावेगी।

संलग्न :- स्वीकृत ले-आउट प्लान

(राजेश जोशी)
सचिव
नगर विकास न्यास, कोटा

क्रमांक :- एफ 7/डी0टी0पी0/30/2022/

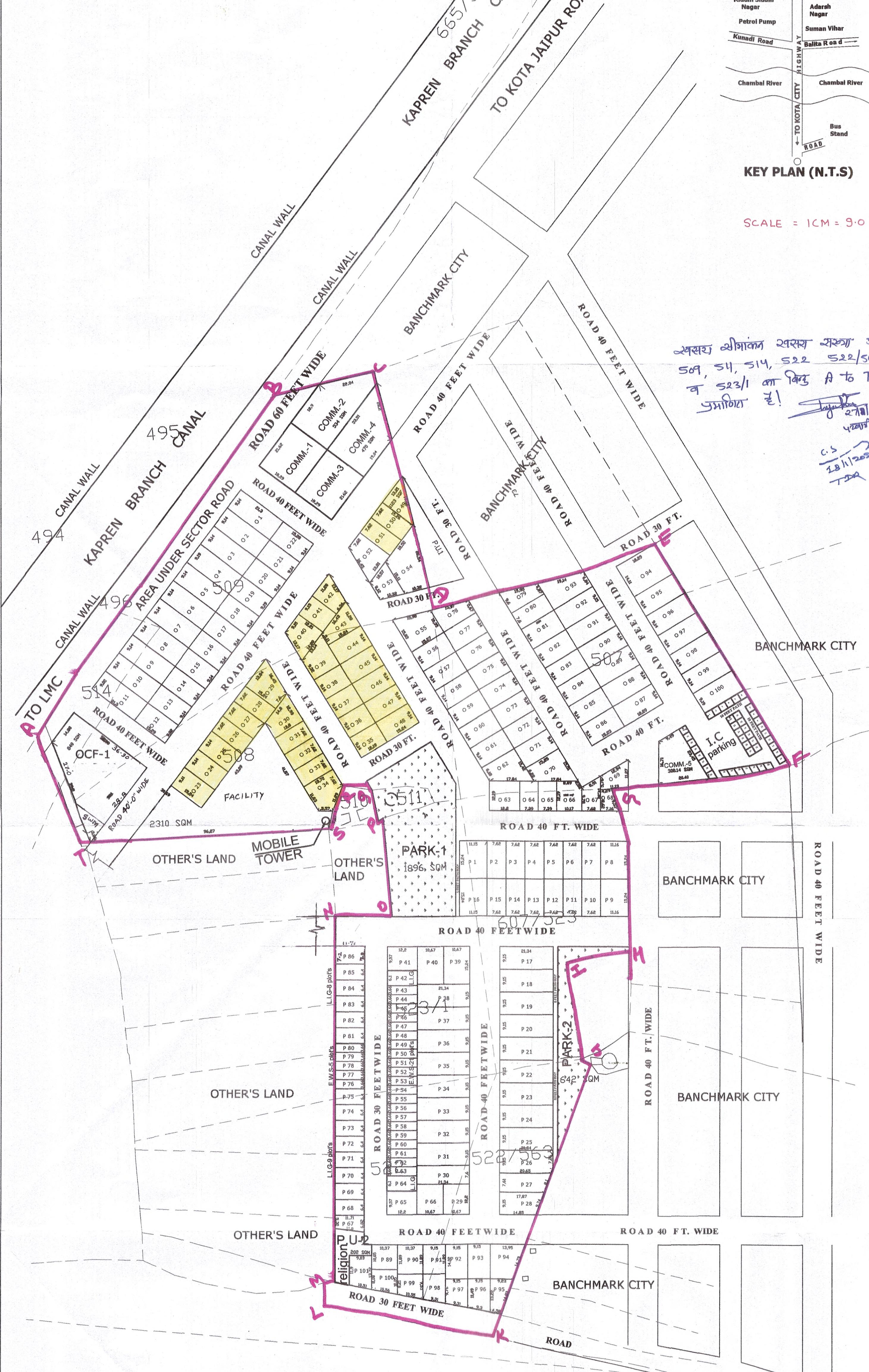
दिनांक :- /02/2022

प्रतिलिपि :-

- 1- उप सचिव (.....), नगर विकास न्यास, कोटा। को प्रेषित कर लेख है कि उपरोक्तानुसार 12.5 प्रतिशत आरक्षित भूखण्डों को रहन रखे जाने हेतु मॉर्गेज डीड संपादित करवायें। उक्त भूखण्ड आंतरिक विकास कार्य पूर्ण होने के उपरांत मुक्त किये जा सकें।
- 2- अधिशासी अभियंता (.....) को प्रेषित कर लेख है कि योजना का समय-समय पर मौका निरीक्षण करें एवं समय-समय पर विकास कार्य की जांच कर निर्धारित मानदण्ड अनुसार सुनिश्चितता कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

(महावीर सिंह मीना)
वारिष्ठ नगर नियोजक
नगर विकास न्यास, कोटा

PROPOSED LAYOUT PLAN FOR
RESIDENTIAL PLOT'S SCHEME AT
VILLAGE :NAYAKHERA, TEH.
LADPURA, DIST. KOTA
(RAJ.)KHASRA
NO.-507,508,509,511,514,
522,522/563,607/523,&523/1



S.NO	PARTICULARS	AREA IN SQM	AREA %
1.	PLOT - 156 NOS	23011 ^{22870.6} - 140.4	45.93% 45.65
	E.W.S - 26 NOS L.I.G - 19 NOS	2570	5.13%
	TOTAL PLOT AREA	25581	51.06%
2.	I.C (NO. OF SHOP-42)	910	1.82%
3.	COMM.	2095	4.18%
4.	PARK	2538	5.07%
5.	P.U	2512	5.01%
6.	O.C.F	840	1.68%
7.	SECTOR ROAD	1662	3.32%
8.	ROAD AREA	13962	27.86% ^{28.14}
	TOTAL	50100	100%

संशोधित ले-आउट प्लान (आवासीय प्रयोजनार्थ) असरा नं० 507 से
509 व 511, 514, 522, 522/563, 523/1, 607/523, ग्राम
नवालेहडा क्षेत्रफल 50100 वर्गमीटर (Mark-A to T)

खसरा शीगांव २५८४० सख्ता ५०७, ५०८
५०९, ५१, ५१४, ५२२ ५२२/५६३, ६०७/५२३
व ५२३/१ का विनु A to T से
उमाठोड़ा है।

पालसा-2010 के अनुसार तकनीक प्रत्युत पर्याप्त हैं।
 तकमीनों का व्यास की अभियांत्रिकी शाखा से अनुमोदन
 उपरांत तदनुसार विकास कार्य करने होंगे।

(v) नगरीय विकास विभाग के पत्र क्रमांक प.
 3(77)वर्वि/3/2009 पार्ट IV जयपुर दिनांक 4/4/19 की
 पालना अपेक्षित है।

(vi) नगरीय विकास विभाग के परिपत्र दिनांक 10/8/2020 के
 अनुसार प्रावधान रखे जाने होंगे।

आंतरिक विकास के पेटे
2.50 प्रतिशत क्षेत्रफल में
0-023 से 0-051 कुल
क्षेत्रफल 3656 वर्गमीटर
जारी है, जिसे पीले रंग से
12.5 प्रतिशत आरक्षित
रखे जाने हेतु मर्गेज डीड
हैं। उक्त भूमण्ड आंतरिक
पूर्ण होने के उपरांत
किये जा सकेंगे।

✓ 02/11/19

S.NO	KHASRA NO	AREA IN HACT.
1.	507	1.06
2.	508	0.97
3.	509	1.00
4.	511	0.02
5.	514	0.06
6.	522	0.40
7.	522/563	0.38
8.	607/523	0.56
9.	523/1	0.56
10.		
11.		
12.		
	TOTAL	5.01